## डी0पी0जे – 103 विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

**खण्ड – 1**

इकाई -1 विवाह परिचय, प्रकार एवं महत्व

इकाई -2 विवाह में वर – कन्या का चुनाव एवं शुभ ग्रह योग

इकाई -3 अष्टकूट मिलान एवं उसकी उपयोगिता

इकाई -4 दक्षिण भारतीय मिलान पद्धति एवं ग्रह मेलापक

**खण्ड - 2**

इकाई – 1 कन्या एवं वर गुण दोष विचार

इकाई – 2 मांगलिक विचार एवं परिहार

इकाई – 3 लग्न चन्द्र एवं शुक्र से मांगलिक मिलान

इकाई – 4 विवाह मेलापक और स्वास्थ्य, धन, सन्तान, आयु विचार

इकाई – 5 दशा व गोचर से मेलापक

**खण्ड - 3**

इकाई – 1 गोचर विचार एवं चन्द्र से गोचर फल

इकाई – 2 मन्द गति, वक्री एवं मार्गी ग्रह गोचर विचार

इकाई – 3 शनि की साढे साती एवं फल विचार

इकाई – 4 शनि की ढैय्या एवं फल विचार

इकाई – 5 ढैय्या एवं साढे साती के उपाय

**खण्ड - 4**

इकाई – 1 सूर्यादि ग्रह संक्रान्ति से गोचर विचार

इकाई – 2 ग्रहों के शुभाशुभ स्थान एवं वेध विचार

इकाई – 3 दशा अनुसार गोचर विचार

इकाई 4 सामान्य नक्षत्र गोचर फल